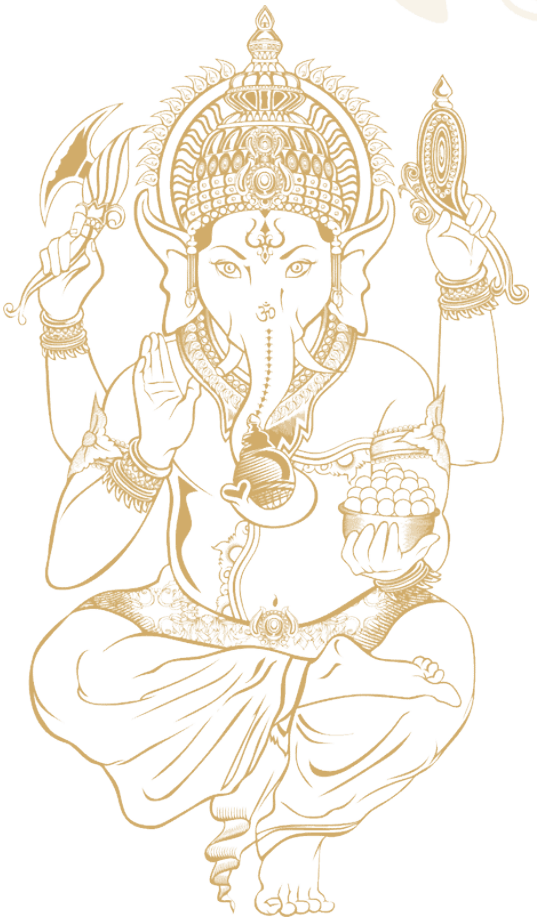

Mr

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119908902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/05/1991	जन्म तिथि	10/04/2001
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:16:00	जन्म समय	22:00:00 घंटे
घटी 11:27:32	जन्म समय(घटी)	39:32:33 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Delhi
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:59	सूर्योदय	06:01:28
19:07:43	सूर्यास्त	18:43:57
23:44:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:12

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 17वर्ष 3मा 5दि		17:05:51	कर्क	लग्न	वृश्चि	09:47:38	गुरु 4वर्ष 1मा 20दि	
मंगल		15:31:01	वृष	सूर्य	मीन	26:59:23	बुध	
04/09/2024		15:09:26	धनु	चंद्र	तुला	29:52:59	31/05/2024	
04/09/2031		09:00:17	कर्क	मंगल	धनु	00:02:55	01/06/2041	
मंगल	31/01/2025	27:11:53	मेष	बुध	मीन	14:00:12	बुध	28/10/2026
राहु	18/02/2026	15:07:45	कर्क	गुरु	वृष	15:30:51	केतु	25/10/2027
गुरु	25/01/2027	00:15:47	कर्क	शुक्र व	मीन	09:24:56	शुक्र	25/08/2030
शनि	05/03/2028	12:56:31	मक व	शनि	वृष	04:57:04	सूर्य	02/07/2031
बुध	02/03/2029	25:38:07	धनु व	राहु व	मिथु	15:44:27	चन्द्र	30/11/2032
केतु	29/07/2029	25:38:07	मिथु व	केतु व	धनु	15:44:27	मंगल	27/11/2033
शुक्र	28/09/2030	19:21:33	धनु व	हर्ष	कुंभ	00:00:52	राहु	16/06/2036
सूर्य	03/02/2031	22:34:18	धनु व	नेप	मक	14:39:25	गुरु	22/09/2038
चन्द्र	04/09/2031	24:40:33	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	21:15:25	शनि	01/06/2041

लग्न-चलित

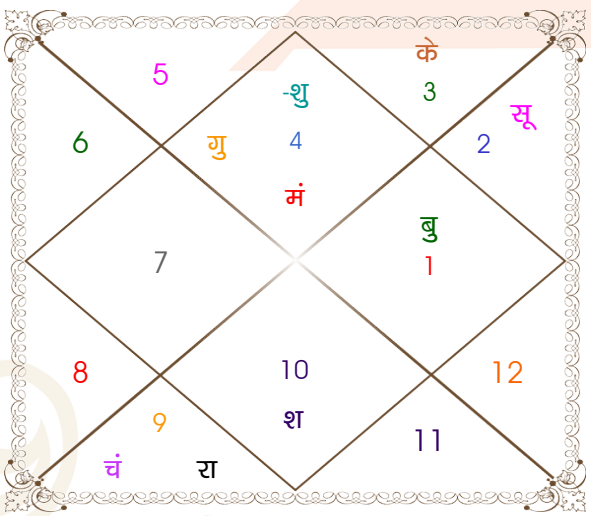

लग्न-चलित

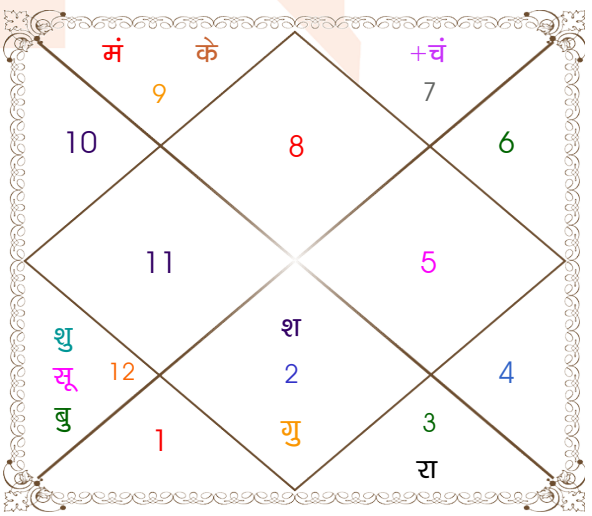

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र Mr कि कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mr तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।